Limiting Values of MOR -

i) For Fe-250

Mu = 0.36 fck. xu.b (d-0.42 xu)

°° For Fe 850, Xu = 0.53 d

Mu = 0.36 fck. 0.53 d. b (d-0.42x0.53d)

Mu = 0.148 fck. bd2

11) For Fe-415

Mu = 0.36 fck. xu, b. (d-0.42 xu)

: For Fe-415 , xu= 0.48 d

My = 0.36 fck. 0.48d. b (d-0.42x0.48 d)

Mu = 0.138 fck. bd2

iii) For fe-500

Mu = 0.36 fck, xu, b. (d-0.42 xy)

: for Fe-500, xu= 0.46d

Mu = 0.36 fck. 0.46 d, b. (d-0.42 x 0.46 d)

Mu = 0.133 fck. bd2

Type of RCC sections -

Balanced Section — यदि concrete व steel अपने
Max. strain पर एक माद्य पहुँचतें हों, तो इस प्रठार
के section की Balanced section कहतें हैं।
इस condition में,

Xu = Xulim,

ii) Under-Reinforced Section — यदि concrite की अपेस्ना

Atel अपने Maximum strain पर पहले पहुँच।

जाए, तो इस प्रकाद के section की UnderReinforced Section कहते हैं। इस condition में,

Ku - Z Xu lim.

iii) Over-Reinforced Section — यदि स्टिश की तुलना में concrete अपने Max. Etrain पर पहले पहुँच जारों, तो इस प्रकार के section की Over Reinforced section कहते हैं। इस Condition में,

Xu > Xulim.

Note: L.S.M. में Over-Reinforced जाम का कोई

section नहीं होता है। अतः यदि Xu"> Xulim.
हो, तो MOR, Mulim. सूत्र में आतः करेंगे।